## पद २७२ (राग: पिलु – ताल: धुमाळी)

बन्सी बजावे गावे तान।।२।।

बन्सीवालेने मोहलिया प्रान ।।ध्रु.।। मैं दिध बेचन जात बृंदावन।

बीच मिला प्रभु आन ।।१।। मानिकके प्रभु जमुनाके नीरतीर।